संकलित परीक्षा–I (2011)

540049

हिन्दी 'ब'

कक्षा –X

समय 3 घण्टे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश :—

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी है - ''उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है।'' जो भाग्यवादी होते हैं उन्हे कुछ नहीं मिलता। वे हाथ पर हाथ धरे रह जाते हैं। अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है। प्रकृति को ही देखिए, सारे जड़-चेतन अपने कार्य में लगे रहते है। चींटी को भी पलभर चैन नहीं। मधुमक्खी न जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूंद-बूंद मधु जुटाती है। मुरगे को बाँग लगानी ही है। फिर मनुष्य को बुद्धि मिली है, विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है।

विश्व के जो भी देश आगे बढ़े हैं, उनकी सफलता का रहस्य परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्व युद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थ व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी। दिन रात जी तोड़ परिश्रम करके वह पुन: विश्व का प्रमुख औद्योगिक देश बन गया। चीन को शोषण से मुक्ति भारत से देर में मिली। वह भी श्रम के बल पर आज भारत से आगे निकल गया। जर्मनी नें भी युद्ध की विभीषिका झेली, पर श्रम के बल पर सम्भल गया।

(क) उपयुक्त शीर्षक दीजिए -

(i) सफलता का रहस्य। (ii) परिश्रम करो सुख पाओ

(iii) उठते रहो चलते रहो। (iv) परिश्रम सफलता का आधार।

(ख) 'हाथ पर हाथ धरना' का आशय है -

(i) काम करके बैठना (ii) आलसी होना

(iii) आराम करना (iv) कुछ न करना

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – ''उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है'' –

(i) धन सम्पत्ति परिश्रमी व्यक्ति की दासी है।

(ii) परिश्रम और साहस से धन सम्पत्ति जमा होती हे।

(iii) उद्योगपति और बहादुर लोग धन कमाते है।

(iv) उद्योगी पुरुष लक्ष्मी जैसी कन्या का वरण करता है।

(घ) 'विभीषिका' का तात्पर्य है –

(i) विपत्ति (ii) सम्पत्ति

(iii) सुअवसर (iv) चुनौती

(ङ) उन्नत देशों ने किस कारण उन्नति की है –

(i) प्राकृतिक संपत्तियों के कारण (ii) उद्योग धंधों के कारण

(iii) कठिन परिश्रम के कारण (iv) भाग्य के कारण

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

यदि मनुष्य और पशु के बीच कोई अंतर है तो केवल इतना कि मनुष्य के भीतर विवेक है और पशु विवेकहीन है। इसी विवेक के कारण मनुष्य को यह बोध रहता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी विवेक के कारण मनुष्य यह समझ पाता है कि केवल खाने-पीने और सोने में ही जीवन का अथ और इति नहीं। केवल अपना पेट भरने से ही जगत के सभी कार्य संपन्न नहीं हो जाते और यदि मनुष्य को जन्म मिला है तो केवल इसी चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं कि इस जगत ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि यदि इस जग ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह इस संसार के भले के लिए कार्य क्यों करे। मानवता का बोध कराने वाले इस गुण 'विवेक' की जननी का नाम 'शिक्षा' है। शिक्षा जिसके अनेक रूप समय के परिवर्तन के साथ इस जगत में बदलते रहते हैं, वह जहाँ कहीं भी विद्यमान रही है सदैव अपना कार्य करती रही है। यह शिक्षा ही है जिसकी धुरी पर यह संसार चलायमान है। विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है। शिक्षा हमारे भीतर विद्यमान वह तत्त्व है जिसके बल पर हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, अपने मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करते हैं, उलझनों को सुलझनों में बदलते हैं। असल में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही शिक्षा कहते हैं। शिक्षा उन तथ्यों का तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने खोजा था– सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने लिए, और आज यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते हैं तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है। जो केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

(क) मनुष्य और पशु के बीच मुख्य अंतर है।

(i) मनुष्य समाज में रहता है, पशु जंगल में।

(ii) मनुष्य के भीतर विवेक है, पशु विवेकहीन है।

(iii) मनुष्य खाने-पीने और सोने को जीवन नहीं मानता ।

(iv) मनुष्य हिसाब-किताब रख सकता है, पशु नहीं।

(ख) शिक्षा को किसकी जननी माना गया है?

(i) संसार की

(ii) विवेक की

(iii) तथ्यों की

(iv) सुखी जीवन की

(ग) शिक्षा कहते हैं :

(i) सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को

(ii) सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के तरीके को

(iii) उलझनों को सुलझनों में बदलने को

(iv) मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करने को

(घ) शिक्षा द्वारा खोज की जा सकती है :

(i) हमारे पूर्वजों के शोध कार्यों की

(ii) सीखने के तरीकों की

(iii) हमारे भीतर विद्यमान तत्त्व की

(iv) सुखी जीवन के तरीकों व तथ्यों की

(ङ) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा :

(i) विवेक

(ii) मानवता

(iii) शिक्षा

(iv) सभ्य तथा सुखी जीवन

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

एक दिन तने ने भी कहा था, जड़ ?

जड़ तो जड़ ही है; जीवन से सदा डरी रही है,

और यही है उसका सारा इतिहास

कि ज़मीन में मुँह गड़ाए पड़ी रही है,

लेकिन मैं ज़मीन से ऊपर उठा,

बाहर निकला, बढ़ा हूँ, मज़बूत बना हूँ, इसी से तो तना हूँ

एक दिन डालों ने भी कहा था, तना ?

किस बात पर है तना ?

जहाँ बिठाल दिया था वहीं पर है बना,

प्रगतिशील जगती में तिल भर नहीं डोला है,

खाया है, मोटाया है, सहलाया चोला है,

लेकिन हम तने से फूटीं, दिशा – दिशा में गईं

ऊपर उठीं, नीचे आईं, हर हवा के लिए दोल बनीं, लहराईं

इसी से तो डाल कहलाईं।

(क) तने ने जड़ की क्या विशेषता बताई?

(i) जड़ प्रगतिशील है। (ii) जड़ जमीन में मुँह गड़ाए पड़ी रही।

(iii) जड़ सबका सहारा है। (iv) जड़ जमीन से ऊपर उठती रही।

(ख) तने ने अपने बारे में क्या कहा ?

(i) मेरा सारा इतिहास बलवान है। (ii) ज़मीन से ऊपर उठा बढ़ा हूँ।

(iii) जड़ से काहर खड़ा हूँ। (iv) ज़ीवन से सदा डरा हूँ।

(ग) 'तना ? किस बात पर है तना' का आशय है :

(i) तना सीधा क्यों रहता है। (ii) तने को भी झुकना चाहिए।

(iii) तने के इतराने का कोई कारण नहीं (iv) तना कौन है? क्या करता है?

(घ) डालें तने को प्रगतिशील क्यों नहीं मानती ?

(i) खाने और मोटे होने के कारण।

(ii) तना होने के कारण।

(iii) तिल भर भी न डोलने के कारण।

(iv) जड़ की तने द्वारा आलोचना के कारण।

(ङ) डालों ने अपने गतिशील होने का क्या प्रमाण दिया ?

(i) दिशा दिशा में गई । (ii) हम तने से निकलीं।

(iii) हमारा इतिहास है। (iv) हम ज़मीन से ऊपर उठीं।

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से

थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी ।

सोचने फिर-फिर यही जी में लगी
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी ।
दैव ! मेरे भाग्य में हैं क्या बदा
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में ।
जल उठूँगी गिर अँगारे पर किसी
चू पड़ूँगी या कमल के फूल में ।
बह पड़ी उस काल इक ऐसी हवा
वह समंदर ओर आई अनमनी ।
एक सुंदर सीप का था मुँह खुला
वह उसी में जा रही मोती बनी ।

(क) 'आह!' शब्द किस भाव को व्यक्त करता है?

(i) दु:ख का भाव (ii) खुशी का भाव
(iii) सुख का भाव (iv) बुझे मन का भाव

(ख) बूँद की चिन्ता का कारण क्या है?

(i) गिरने का डर (ii) अतीत के बुरे ख्याल
(iii) वर्तमान स्थिति (iv) भविष्य की चिन्ता

(ग) बूंद के साथ किन लोगों की समानता दिखाई देती है?

(i) जो अनिश्चय की स्थिति में रहते हैं। (ii) जो निराश रहते हैं ।
(iii) जो वर्तमान से घिरे रहते हैं। (iv) जो आलसी हैं।

(घ) कवि ने किस सोच पर बल दिया है?

(i) डर की सोच (ii) गलत विचारों की सोच
(iii) सकारात्मक सोच (iv) दु:ख मनाने की सोच

(ङ) मोती बनने का क्या आशय है?

(i) सुखद अहसास होना (ii) लक्ष्य प्राप्त होना।
(iii) जीवन का अन्त होना (iv) अधूरी मंजिल मिलना

खंड-'ख'

5. (i) निम्नलिखित में विकारी शब्द है - **4**

(क) अव्यय (ख) संबंध बोधक

(ग) समुच्चय बोधक (घ) सर्वनाम

(ii) <u>दशरथ पुत्र राम</u> वन को गए। रेखांकित को कहेंगें

(क) शब्द (ख) पद

(ग) पदबंध (घ) वर्ण

(iii) सब ओर से मार खाए हुए तुम संभल जाओ। रेखांकित में पद बंध का भेद है –

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) क्रिया (घ) क्रिया विशेषण

(iv) पतंग हवा में उडती चली गई। रेखांकित मे पदबंध का भेद है –

(क) विशेषण (ख) क्रिया विशेषण

(ग) क्रिया (घ) सर्वनाम

6. (1) हम सब ताजमहल देखने गए। रेखांकित पद का परिचय है : **4**

(क) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, पूर्ण वर्तमानकाल।

(ख) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, पूर्ण भूतकाल।

(ग) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भाववाच्य।

(घ) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(2) राधा दसवीं कक्षा में पढ़ती है। रेखांकित पद का परिचय है :

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

(ख) समूहवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक, क्रिया का कर्ता

(ग) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग,संबंध कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग,अपादान कारक

(3) मैंने कहा कि पृथ्वी गोल है। रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए :

(क) सरल वाक्य (ख) संकेत वाचक

(ग) मिश्र वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

(4) धर्म का नाश होता है इसलिए प्रभु अवतार लेते हैं। वाक्य से बना मिश्रित वाक्य है :

(क) धर्म का नाश होने पर प्रभु अवतार लेते हैं।

(ख) धर्म का नाश होता है और प्रभु अवतार लेते हैं।

(ग) जब धर्म का नाश होता है, प्रभु अवतार लेते हैं।

(घ) धर्म का नाश हुआ। प्रभु ने अवतार लिया।

7. (i) 'इत्यादि' में संधि का भेद हैं – **4**

(क) गुण (ख) वृद्धि (ग) यण (घ) अयादि

(ii) 'मदमस्त' समस्तपद का विग्रह है –

(क) मद और मस्ती (ख) मद से मस्त

(ग) मद की मस्ती (घ) मद का मस्त

(iii) 'पढ़ाने के लिए सामग्री' का समस्त-पद होगा –

(क) पठन सामग्री (ख) पाठ-सामग्री

(ग) पाठ्य-सामग्री (घ) पढ़ाई-लिखाई

(iv) निम्नलिखित में स किस समस्त पद में कर्मधारय समास है ?

(क) नीलकंठ (ख) प्रियपात्र (ग) भयभीत (घ) चौराहा

8. (i) 'धर्मार्थ' में स्वर संधि का कौन सा भेद है ? **4**

(क) यण (ख) दीर्घ

(ग) गुण संधि (घ) वृद्धि संधि

(ii) 'स्वरचित' समस्तपद का विग्रह है -

(क) स्वर से रचित (ख) सु के द्वारा रचित

(ग) स्वर से चित (घ) स्व के द्वारा रचित

(iii) 'धर्म से विमुख' का समस्तपद है ?

(क) धर्ममुख (ख) धर्मविमुख

(ग) विमुखधर्मी (घ) धर्माविमुख

(iv) निम्नलिखित में किस समस्तपद में कर्मधारय समास है ?

(क) नीलगगन (ख) शरणागत

(ग) बेशक (घ) नर-नारी

9. (i) सदा _____ की फिराक में लगे लोग मानवीय संवेदना और भावुकता को नहीं समझ सकते। **4**
उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें -

(क) उल्लू बनाना (ख) दो से चार बनाना

(ग) आकाश - पाताल एक करना (घ) आँखें दिखाना

(ii) आतंकवाद को समाप्त करने के लिए एक व्यक्ति की नहीं बल्कि सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है क्योंकि _____।

उपयुक्त लोकोक्ति द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

(क) हथेली पर सरसों नहीं जमती

(ख) अभी दिल्ली दूर है

(ग) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता

(घ) एक हाथ से ताली नहीं बजती

(iii) 'आड़े हाथों लेना' मुहावरे का अर्थ है -

(क) जमीन पर पटकना (ख) हाथ - पैर तोड़ना

(ग) डाँटना - डपटना (घ) हाथों - हाथ लेना

(iv) 'एक अनार सौ बीमार' लोकोक्ति का अर्थ है -

(क) बीमारों के लिए अनार कम पड़ना (ख) किसी वस्तु की कमी होना

(ग) बीमार व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि (घ) एक वस्तु के अनेक ग्राहक होना

खंड-'ग'

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकांक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष अटल कुछ चिंता पर।
उड़ गया अचानक लो भूधर
फड़का अपार पारद के पर !
रव शेष रह गए हैं निर्झर
है टूट पड़ा भू पर अम्बर।
धँस गए धरा में सभय शाल
उठ रहा धुआँ जल रहा ताल।
यों जलद यान में विचर-विचर
था इन्द्र खेलता इन्द्रजाल।

(i) पेड़ों की तुलना किससे की है?

(क) बादलों से (ख) ऊँची आकांक्षाओं से

(ग) ऊँचे पहाडों से (घ) ऊँचे झरनों से

(ii) अचानक क्या परिवर्तन हुआ?

(क) बादल उड़ गया (ख) काले बादल छा गए

(ग) वर्षा होने लगी (घ) सुन्दर पहाड़ गायब हो गया।

(iii) कवि को क्यों लगा कि पहाड़ उड़ गया?

(क) इंद्र के जादू के कारण (ख) भीषण वर्षा के कारण

(ग) पेडों से ढँक जाने के कारण (घ) बादलों में छिप जाने के कारण

(iv) इन्द्र देवता किसमें सवार होकर घूम रहे हैं?

(क) बादलों के यान में (ख) उड़ते बादलों के भीतर

(ग) धुंध और धुँए में (घ) वर्षा की बूंदों में

(v) किसका शार शेष रह गया है?

(क) बादलों के गरजने का (ख) झरनों के झरने का

(ग) वर्षा होने का (घ) बिजली कड़कने का

अथवा

हरि आप हरो जन री भीर ।

द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।

भगत कारण रूप नरहरि, धर्‌यौ आप सरीर ।

बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर ।

दासी मीरा लाल गिरधर हरो म्हारी भीर ।

(i) मीरा कृष्ण से क्या प्रार्थना कर रही है ?

(क) अपनी पीड़ा दूर करने की (ख) अपने भक्तों की पीड़ा दूर करने की

(ग) संसार के लोगों की पीड़ा दूर करने की (घ) भक्ति स्वीकार करने की

(ii) भगवान ने द्रोपदी की लाज कैसे बचाई ?

(क) भक्ति करके (ख) चीर बढ़ाकर

(ग) दश्मन को मार कर (घ) दुश्मन से बदला लेकर

(iii) भगवान किसके लिए 'नरहरि' बने थे?

(क) प्रहलाद के लिए (ख) मीरा के लिए

(ग) द्रोपदी के लिए (घ) गजराज के लिए

(iv) गजराज को किसने पकड़ लिया था ?

(क) महावत ने (ख) राक्षस ने

(ग) भिकारी ने (घ) मगरमच्छ ने

(v) 'डूबते हुए' के लिए किस शब्द का प्रयोग हुआ है?

(क) बूढ़तो (ख) बढ़ायो

(ग) राख्यो (घ) धर्‌यौ

11. ***निम्नलिखित में से किन्ही दो के उत्तर संक्षेप में दीजिए।*** **2X2.5= 5**

(क) 'आज जो बात थी वह निराली थी' – किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

(ग) '..... वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था जिसे अपार सम्पत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी जितनी आत्म-संतुष्टि के सुख की अभिलाषा थी।' लेखक ने यह बात किसके लिए व क्यों कही है?

(घ) बड़े भाई की स्वभाव गत विशेषताएँ बताइए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए : **5**

बड़ा भाई छोटे भाई पर शासन करने के लिए क्या-क्या उपाय करता है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए हैं' - इससे आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5**

निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे । तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था । दूसरों की सहायता के लिए सदैव तत्पर । दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता । व्यक्तित्व आकर्षक होने के साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते । पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बांधे रहता । लकड़ी की होने पर उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी । वह अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे । तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी ।

(क) निकोबारी तताँरा से क्यों प्रेम करते थे? **2**

(ख) दूसरे गाँवों में किसे और क्यों विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता था? **2**

(ग) उसकी तलवार में कौन सी शक्ति थी? **1**

अथवा

ठीक चार बजकर दस मिनट पर सुभाष बाबू जुलूस लेकर आए। उनको चौरंगी पर ही रोका गया, पर भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जुलूस को रोक नहीं सकी। मैदान के मोड़ पर पहुँचते ही पुलिस ने लाठियाँ चलानी शुरू कर दी, बहुत आदमी घायल हुए, सुभाष बाबू पर भी लाठियाँ पड़ीं। सुभाष बाबू बहुत ज़ोरों से वन्दे मातरम् बोल रहे थे। ज्योतिर्मय गांगुली ने सुभाष बाबू से कहा, आप इधर आ जाइए। पर सुभाष बाबू ने कहा, आगे बढ़ना है। यह सब तो अपनी सुनी हुई लिख रहे हैं, पर सुभाष बाबू का और अपना विशेष फासला नहीं था। सुभाष बाबू बड़ी ज़ोर से वन्दे मातरम् बोलते थे, यह अपनी आँख से देखा। पुलिस भयानक रूप से लाठियाँ चला रही थी। क्षितीश चटर्जी का फटा हुआ सिर देखकर तथा उसका बहता हुआ खून देखकर आँख मिच जाती थी।

(क) पुलिस जुलूस को क्यों नहीं रोक सकी? **2**

(ख) पुलिस ने लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया? क्यों ? **2**

(ग) आँखें क्यों मिच जाती थीं? **1**

14. (क) ' है टूट पड़ा भू पर अंबर' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) मीराबाई श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या - क्या कार्य करने को तैयार हैं ? **2**

(ग) कबीर की साखियों से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? **1**

15. ठाकुरबाड़ी से लौटकर हरिहर काका कहाँ रहने लगे ? अब उनका ख्याल कैसे रखा जाने लगा ? **3**

अथवा

एक दिन ऐसी क्या घटना घटी कि हरिहर काका की सहनशक्ति जवाब दे गई ? उनका गुस्सा किस पर फूटा ?

16. गाँव की एक विधवा की स्थिति से हरिहर काका ने क्या सीख ली? **2**

खंड-'घ'

17. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : **5**

(क) प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग

- प्राकृतिक संसाधन का अर्थ व प्रकार
- प्राकृतिक संसाधन सीमित
- इनके दुरुपयोग से हानि

(ख) सादा जीवन: उच्च विचार

- सादा जीवन का आशय
- महापुरुषों के उदाहरण
- सुख-संतोष की प्राप्ति

(ग) अभ्यास सफलता का मूल मंत्र

- जीवन में अभ्यास का महत्त्व
- महापुरुषों के उदाहरण

- अभ्यास के अभाव में असफलता

18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : **5**

आपके पड़ोस की बिजली की दुकान में दिन – रात ऊँची आवाज़ में गाने बजते रहते हैं । इससे होने वाली असुविधा की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए ।

अथवा

आप अपने विद्यालय की वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं, इस प्रार्थना के साथ अपने कक्षाध्यापक को पत्र लिखिए ।